☼ नवग्रह मंत्र

🌞 सूर्य मंत्र

- बीज मंत्र - ॐ घृणि सूर्याय नम: (ॐ सूर्याय नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च ।
  हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन् ॥
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
  तमोरिं सर्व पापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥
- जप संख्या - 7000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 28000
- जप समय - सूर्योदय काल
- हवनवस्तु - अर्क, मदार
- रत्न - मीणिक या विद्रुम
- दान वस्तु - सुवर्ण, ताँबा, माणिक, गुड, गेहूँ, लाल गाय, लाल पुष्प, लाल वस्त्र, लाल चंदन

🌝 चन्द्रमा मंत्र

- बीज मंत्र - ॐ सों सोमाय नम: (ॐ चन्द्राय नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चंद्राय नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ इमं देवा असपत्न$ सुवध्वं महते क्षत्राय महते
  ज्यैष्ठयाय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय ।
  इममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विश एष वोऽमी राजा
  सोमोऽस्माकं ब्राह्मणाना$ राजा ॥
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ दधि शंख तुषाराभं क्षीरोदार्णव सम्भवम ।
  नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुट भूषणं ॥
- जप संख्या - 11000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 44000
- जप समय - संध्याकाल
- हवनवस्तु - पलाश
- रत्न - मोती
- दान वस्तु - सुवर्ण, चाँदी, मोती, चावल, कपुर, घी, चाँदी शंख, सफेदपुष्प, सफेदवस्त्र, सफेद बैल

मंगल मंत्र -

- बीज मंत्र - ॐ अं अंगारकाय नम: (ॐ भौमाय नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ अग्निमूर्धा दिव: ककुत्पति: पृथिव्या अयम्।
  अपा$ रेता$ सि जिन्वति।।
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ धरणी गर्भ संभूतं विद्युत्कान्ति समप्रभम ।
  कुमारं शक्ति हस्तञ्च मंगलं प्रणमाम्यहम ।।
- जप संख्या - 10000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 40000
- जप समय - दिन का प्रथम प्रहर
- हवनवस्तु - खदिर (खैर)
- रत्न - मूंगा
- दान वस्तु - सुवर्ण, ताँबा, मूंगा, मसुर, गुड, गेहूँ, लाल बैल,
  लालपुष्प, लालवस्त्र,

बुध मंत्र -

- बीज मंत्र - ॐ बुं बुधाय नम: (ॐ बुधाय नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि
  त्वमिष्टापूर्ते स$ सृजेथामयञ्च।
  अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन्
  विश्वे देवा यशमानश्च सीदत।।
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम ।
  सौम्यं सौम्य गुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम ।।
- जप संख्या - 9000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 36000
- जप समय - मध्याह्न काल
- हवनवस्तु - अपामार्ग, चिचिडा
- रत्न - पन्ना
- दान वस्तु - सुवर्ण, कांस्य, पन्ना, मूंग, घी, हाथी, कस्तूरी,
  सर्वपुष्प, हरावस्त्र, पंचरत्न, हाथी दाँत

۞ बृहस्पति मंत्र

- बीज मंत्र - ॐ बृं बृहस्पतये नम: (ॐ गुरवे नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ बृहस्पते अति यदर्यो अर्हाद्युम द्विभाति क्रतुमज्जनेषु ।
  यद्दीदयच्छवस ऋतप्रजात तदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम् ।।
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ देवानां च ऋषीणां च गुरुं काचन सन्निभम ।
  बुध्दि भूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पितम ।।
- जप संख्या - 19000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 76000
- जप समय - प्रात:काल (सूर्योदय के समय)
- हवनवस्तु - पीपल
- रत्न - पुखराज
- दान वस्तु - सुवर्ण, कांस्य, पुखराज, हल्दी, नमक, शक्कर, घोडा,
  पीतपुष्प, पीतवस्त्र, पीतधान्य, माणिक या विद्रुम

○ शुक्र मंत्र

- बीज मंत्र - ॐ शुं शुक्राय नम: (ॐ शुक्राय नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ अन्नात्परिस्त्रुतो रसं ब्रम्हणा
  व्यपिवत्क्षत्रं पय: सोमं प्रजापति: ।
  ऋतेन सत्यमिन्द्रियँ विपान$ शुक्रमन्धस
  इन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतं मधु ।।
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ हिमकुन्द मृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम ।
  सर्वशास्त्र प्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम ।।
- जप संख्या - 16000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 64000
- जप समय - ब्रह्मवेला (सुर्योदय)
- हवनवस्तु - गूलर
- रत्न - हीरा
- दान वस्तु - सुवर्ण, चाँदी, हीरा, चावल, घी, हल्दी, नमक,
  सफेदपुष्प, सफेदवस्त्र, सफेद घोडा

शनि मंत्र

- बीज मंत्र - ॐ शं शनैश्चराय नम: (ॐ शनये नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनैश्चराय नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ शन्नो देवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये ।
  शँ योरभि स्त्रवन्तु न: ॥
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ नीलांजन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम ।
  छायामार्तण्ड संभूतं तं नमामि शनैश्चरम ॥
- जप संख्या - 23000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 92000
- जप समय - मध्यान
- हवनवस्तु - शमी
- रत्न - नीलम (लोहा)
- दान वस्तु - सुवर्ण, नीलम, उडद, तिल, तेल, भैस, लोहा,
  कृष्णपुष्प, कृष्णवस्त्र, कालीगाय

राहु मंत्र

- बीज मंत्र - ॐ रां राहवे नम: (ॐ राहवे नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ कया नश्चित्र आ भुवदूती सदावृध: सखा ।
  कया शचिष्ठया वृता॥
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम ।
  सिंहिकागर्भ संभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम ॥
- जप संख्या - 18000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 72000
- जप समय - रात्रिकाल 12 बजे
- हवनवस्तु - दूर्वा
- रत्न - गोमेद
- दान वस्तु - सुवर्ण, शीसा, गोमेद, तील, तेल, घोडा, लोहा, गेहुँ
  कृष्णपुष्प, नीलवस्त्र, कम्बल, अर्भक

केतु मंत्र

- बीज मंत्र - ॐ कं केतवे नम: (ॐ केतवे नम:)
- तांत्रिक मंत्र - ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नमः
- वैदिक मंत्र - ॐ केतुं कृण्वन्नकेतवे पेशो मर्या अपेशसे।
  समुषभ्दिरजायथा:।।
- पुराणोक्त मंत्र - ॐ पलाश पुष्प संकाशं तारका ग्रह मस्तकम ।
  रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम ।।
- जप संख्या - 17000 कलयुगे चतुर्थगुणो अर्थात 68000
- जप समय - रात्रिकाल 12 बजे
- हवनवस्तु - कुशा
- रत्न - लहसुनीया (पोलाद)
- दान वस्तु - सुवर्ण, लहसुनीया, पोलाद, तील, तेल, बकरी,
  कृष्णवस्त्र, धूम्रपुष्प, कम्बल, शस्त्र